रजिस्ट्री सं० डी-227

REGISTERED No. D-227

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1970 (फाल्गुन 2, 1891)

No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1970 (PHALGUNA 2, 1891)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे जिखे भारत के असाधारण राजपत्र 26 जनवरी 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 26th January 1970:—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
18.	No. 18-ITC (PN)/70, dt. 19-1-70.	Min. of Foreign Trade	Import Policy for the period April, 1969—March 1970.
19.	No. 19-ITC (PN)/70 dt. 23-1-70.	Do.	Import from U.S.A. under U.S. AID Loans—list of ineligible suppliers.
20.	No 20-ITC (PN)/70, dt. 23-1-70.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the year April 1969 March 1970(Amendment No. 75).
21.	No. 21-ITC (PN)/70, dt. 24-1-70.	Do.	Import Policy for registered Exporters for the year April 1969 March 1970 (Amendment No. 76).
	No. 22-ITC (PN)/70, dt. 24-1-70.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the year April 1969—March 1970 (Amendment No. 77).
	No. 23-ITC (PN)/70, dt. 24-1-70.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the year April 1969—March 1970 (Amendment No. 78).
22.	No. 6-Press/70 dt. 26-1-70	President's Secretariat	Republic Day awards.
	सं० 6-प्रज 70, दिनांक 26-1-70	राष्ट्रपति सचिवालय	गणतंत्र दिवस उपाधियां।
23.	No. 31/12/69-Ad. II B, dt. 26-1-70.	Min. of Finance	Appreciation certificate for exceptionally meritorious service.
	सं० 31-12-69-प्रशासन III-बी० दिनांक 26-.-70	,,	असाधारण : प्रशंसनीय सेवा के लिए प्रशस्ति प्रमाण-पत्र।
	No. 31/12/69-Ad. III B dt. 26-1-70.	Min. of Finance	Appreciation certificate for exceptionally meritorious service.
	सं० 31-12-69-प्रशासन III-बी० दिनांक 26-.-70	,,	असाधारण : प्रशंसनीय सेवा के लिए प्रशस्ति प्रमाण-पत्र।

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
	No. 31/12/69- Ad. III B dt. 26-1-70.	Do.	Appreciation certificate for specially distinguished record of service.
	सं० 31-12-69 प्रशासन III-बी० दिनांक 26-1-70	वित्त मंत्रालय	उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिए प्रशस्ति प्रमाण-पत्र ।
	No. 31/5/68-Ad. III B, dt. 26-1-70.	Do.	Amendment in schedule to notification No. 12/139/59-Ad. IIIB, dt. 5th Nov. 1962 vide notification No. 31/12/67-Ad. IIIB, dt. 15-1-68. (two) and 26th Jan. 1968.
	सं० 31-5-68 प्रशासन III-बी० दिनांक 26-2-70	वित्त मंत्रालय	26 जनवरी 1968 की दो अधिसूचनाओं सं० 31-12-67-प्रशासन-III-बी० द्वारा दिनांक 5 नवम्बर 1962 की अधिसूचना सं० 12-139-59-प्रशासन-III-बी०, में निहित अनुसूची का संशोधन दिनांक 15-1-1968 ।

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी । मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिएं ।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	197
भाग I—खंड 2—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	230
भाग I—खंड 3—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	13
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	251
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	701
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं ..	927
भाग II—खंड 4—रक्षा मन्त्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	65
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	231
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	69
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं..	17
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	81
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	29
पूरक संख्या 8—	
7 फरवरी 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	299
17 जनवरी 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	313

	Page
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	197
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	238
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	13
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	251
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	701
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	927
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	65
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	231
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	69
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	17
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	81
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	29
SUPPLEMENT NO. —8	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 27th February 1970 ..	299
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 17th January 1970 ..	313

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिवत् नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1970

सं० 8-प्रेज०/70—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान,
कम्पनी कमान्डर,
38वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस ।

श्री राम धारी पाण्डे,
हैड कांस्टेबल सं० 44481,
38वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस ।

श्री लखन लाल,
लांस नायक सं० 45070,
38वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस ।

श्री राम नगीना यादव,
कांस्टेबल सं० 45067,
38वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस । (स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :—

केन्द्रीय आरक्षित पुलिस की 38वीं बटालियन को त्रिपुरा तथा मीजो पहाड़ियों की सीमा पर, जम्पुई पहाड़ियों में तैनात किया गया। 29 अक्तूबर, 1968 को चवानू स्थित केन्द्रीय आरक्षित पुलिस चौकी को सूचना मिली कि लगभग 150 विद्रोही जो ब्रैन-गन, ग्रेनेड फैंकने वाली बन्दूकों, हल्की मशीन गनों से लैस थे, पूर्वी पाकिस्तान के चिट्टागांव क्षेत्र से घुस आए थे और केन्द्रीय आरक्षित पुलिस चौकी के आस-पास घूम रहे थे। 30 अक्तूबर, 1968 को प्रातःकाल विद्रोहियों ने केन्द्रीय आरक्षित पुलिस चौकी पर आक्रमण कर दिया। उन्होंने 3.5 इंच के राकेटों, मौर्टरों, ग्रेनेड फैंकने वाली बन्दूकों इत्यादि से दो अलग दिशाओं से भारी गोलाबारी शुरू कर दी। भारी गोलाबारी से घबराए बिना तथा चौकी में उपलब्ध व्यक्तियों की संख्या थोड़ी होने के बावजूद भी केन्द्रीय आरक्षित पुलिस ने श्री सुरेन्द्र कुमार मदान के नेतृत्व में विद्रोहियों पर जवाबी आक्रमण

कर दिया। मुठभेड़ तीन घन्टे तक चली। इस मुठभेड़ के दौरान श्री मदान राकेटों एवं गोलियों की परवाह किए बिना न केवल अपने व्यक्तियों को आक्रमण का दृढ़ता से सामना करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे बल्कि एक बंकर से दूसरे बंकर तक रैंग कर यह देखने के लिए कि हरेक अपने काम को ठीक से करता रहे, जाते रहे। श्री राम धारी पाण्डे ने, जो कि चौकी के बंकर नं० 1 में हल्की मशीन गन के इन्चार्ज थे, अपनी हल्की मशीन गन को ओजस्वी ढंग से चलाया तथा शत्रु को चौकी की ओर बढ़ने से रोका। यद्यपि 3.5 इंच का एक राकेट उनके बंकर के निकट गिरा था जिससे कांस्टेबल राम नगीना यादव की मृत्यु हो गई तथा बंकर की सारी छत ढह गयी फिर भी श्री पाण्डे ने अपनी हल्की मशीन गन संभाले रखी तथा शत्रु को दूर ही रोके रखा। श्री लखन लाल बंकर के दोनों ओर की खाइयों में तैनात बन्दूक-चालकों के इंचार्ज थे। उन्होंने अपने आदमियों को प्रोत्साहित किया तथा अपनी बन्दूक से गोली भी चलाते रहे। उनके कान में राकेट के एक टुकड़े से चोट लगी, किन्तु वे घबराए नहीं, तथा उन्होंने गोली चलाना जारी रखा। श्री राम नगीना यादव भी बंकर के निकट वाली एक खाई में बन्दूक चालकों के इन्चार्ज थे। उन्होंने न केवल अपनी बन्दूक से गोलियां चलाई बल्कि हल्की मशीन गन की मैगजीनें भरने में भी सहायता की। भारी गोलाबारी के बावजूद भी वे दोनों काम तब तक करते रहे जब कि एक 3.5 इंच वाले राकेट के एक टुकड़े से बुरी तरह घायल न हो गए जिसके असर से उनकी बन्दूक के दो टुकड़े हो गए। बाद में चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

उपरोक्त चार अधिकारियों की वीरता पूर्वक लड़ाई के परिणाम-स्वरूप विद्रोहियों को पीछे हटना पड़ा और वे जंगल की ओर भाग गए।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 30 अक्तूबर, 1968 से दिया जाएगा। उपरोक्त नियम के अन्तर्गत श्री सुरेन्द्र कुमार मदान को स्वीकृत भत्ता नहीं दिया जाएगा।

नागेन्द्र सिंह,
राष्ट्रपति के सचिव

राज्य सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1970

सं० आर० एस० 29/1/70-टी०—राज्य सभा के सदस्य, श्री रिझक राम ने, जो हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, 3 फरवरी, 1970 से राज्य सभा में अपने स्थान से त्याग पत्र दे दिया है।

बी० एन० बनर्जी, सचिव

योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1970

आदेश

नारियल जटा उद्योग (कोयर इण्डस्ट्री) सम्बन्धी अध्ययन दल

योजना आयोग के आदेश संख्या वी० एस० आई०/6(1)/69 दिनांक 22 जुलाई 1969 का आंशिक सुधार करते हुए योजना आयोग ने निर्णय किया है कि कार्य के परिणाम और अब तक किये कार्य की प्रगति को देखते हुये नारियल जटा उद्योग (कोयर इन्डस्ट्री) सम्बन्धी अध्ययन दल द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अवधि छह महीने बढ़ा दी जाये।

2. योजना आयोग ने यह भी तय किया है कि श्री ए० जी० वी० सुब्रह्मण्यम्, अवर सचिव, विदेश व्यापार और पूर्ति मन्त्रालय के स्थान पर कर्नल वी० वी० देव, अध्यक्ष, नारियल जटा बोर्ड (कोयर बोर्ड) को अध्ययन दल का सदस्य सचिव नियुक्त किया जाये।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस आदेश की प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाये और सभी सम्बन्धितों को भेजी जायें।

भैरव दत्त पांडे, सचिव
योजना आयोग

विदेश व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय
(विदेशी व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1969

संकल्प

सं० 29/2/69-टैक्स (ए०)—भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प संख्या 9(3) टैक्स (बी०)-165, दिनांक 21 मार्च, 1966, जो भारत के राजपत्र भाग I खण्ड 1 में 21 मार्च, 1966 को प्रकाशित हुआ था और जिसमें समय-समय पर संशोधन किये गये थे, के अन्तर्गत स्थापित सूती वस्त्र सलाहकार बोर्ड को पुनर्गठित करने का भारत सरकार ने विनिश्चय किया है। पुनर्गठित बोर्ड के सदस्य निम्नलिखित हैं:—

अध्यक्ष

1. विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्री।

सदस्य

2. सचिव, विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय।
3. श्री मदन मोहन मंगलदास,
   मंगलबाग,
   एलिस ब्रिज,
   अहमदाबाद।
4. श्री के० एम० डी० थकरसी,
   सर विट्ठलदास चम्बर्स,
   16, एपोलो स्ट्रीट, फोर्ट,
   बम्बई-1
5. श्री कस्तूरभाई लालभाई,
   मार्फत दि अरविन्द मिल्स लि०,
   रेलवेपुरा पोस्ट, नारोडा रोड,
   अहमदाबाद-2
6. श्री के० सुन्दरम्, संसद् सदस्य,
   कोयम्बटूर पायोनियर मिल्स लि०,
   पीलामेडु, कोयम्बटूर-4

7. श्री एस० एन० हाडा,
केसोराम इंडस्ट्रीज एण्ड काटन,
मिल्स लि०,
कलकत्ता।

8. श्री आर० के० बिरला, संसद सदस्य,
49, रिंग रोड, लाजपत नगर-4-14,
नई दिल्ली।

9. श्री कैलाश अग्रवाल,
निदेशक,
दि हुकमचन्द मिल्स लि०,
इन्दौर।

10. अध्यक्ष,
सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्,
इंजीनियरिंग सेंटर,
कवीन्स रोड, बम्बई-4

11. अध्यक्ष,
ईस्ट इंडिया काटन एसोसिएशन लि०,
काटन एक्सचेंज बिल्डिंग,
मारवाड़ी बाजार,
कालबादेवी, बम्बई-1

12. श्री दशरथ राम रेड्डी, संसद् सदस्य,
ऐडवोकेट, बाहद स्ट्रीट, नैल्लोर,
आन्ध्र प्रदेश।

13. श्री एस० आर० बासवाडा, संसद् सदस्य,
अध्यक्ष, नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन, लि०,
नई दिल्ली।

14. श्री दयालजीभाई जी० पटेल,
गांव डीलोड, पोस्ट आफिस सायान,
सूरत।

15. अध्यक्ष,
इंडियन काटन मिल्स फेडरेशन,
बम्बई।

16. अपर सचिव,
विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय,
नई दिल्ली।

17. वस्त्र आयुक्त,
बम्बई।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, सभी संघ राज्य क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, प्रधानमंत्री के सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिवों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक, प्रत्यक्ष करों का केन्द्रीय बोर्ड, उत्पादन शुल्क तथा सीमा-शुल्क का केन्द्रीय बोर्ड, लोक सभा और राज्य सभा के सचिवालयों, संसद् पुस्तकालय और वस्त्र आयुक्त बम्बई को भेज दी जाये।

एस० के० बंसल, उप सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

(भा० कृ० अनु० परि०)

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1970

सं० 29-1/69 समन्वय (1)/भा० कृ० अनु० परि०—भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की नियमावली के नियम 7 के अनुसार खाद्य, तथा कृषि मंत्री ने निम्नलिखित को परिषद् की कृषि शिक्षा की स्थायी समिति का सदस्य, 27 जनवरी, 1970 से 7 जुलाई, 1972 की अवधि तक, सहर्ष मनोनीत किया है :—

1. श्री ओ० फुल्ला रेड्डी, उप-कुलपति,
आन्ध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय,
हैदराबाद।

2. श्री सतवन्त सिंह, नसीरपुर फार्म,
पटियाला, पंजाब।

3. श्री रघोतम रेड्डी,
सदस्य, प्रबन्ध मण्डल,
आन्ध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय,
हैदराबाद।

4. श्री जयनारायण मेहता, एडवोकेट,
पुरनिया, बिहार।

एम आर० कोल्हटकर, उप सचिव

पोतपरिवहन तथा परिवहन मन्त्रालय

(परिवहन-पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1970

संकल्प

सं० 7-पी० जी० (27)/69—भारत सरकार को मारमोगाव पत्तन की 1968-69 वर्ष की प्रशासनिक रिपोर्ट मिल गई है। रिपोर्ट की मुख्य बातों की समीक्षा नीचे दी जाती है :—

(1) **वित्तीय स्थिति**

1968-69 में मारमोगाव पत्तन का कुल राजस्व 221.54 लाख रुपये (कनहारी से प्राप्तियां सहित) था। 1967-68 में यह राशि 225.37 लाख रुपये थी। आमदनी में कमी मुख्यतः आयात पर विलम्ब शुल्क से कमाई में कमी, पत्तन देयता, केन भाड़ा, निकर्षण और रेलवे कमाई के कारण है और यह आंशिक रूप से घाट देयता, पट्टे और शेड किराया और ब्याज में वृद्धि के कारण विस्थित हो गया है।

विचाराधीन वर्ष में 147.45 लाख रुपये का व्यय हुआ जबकि 1967–68 में 135.99 लाख व्यय हुये। व्यय में वृद्धि के मुख्य कारण, मरम्मत के लागत, रख-रखाव और पत्तन के परिचालन व्यय और परिसम्पत्ति पर ह्रास में वृद्धि होना है।

(2) **यातायात**

1968–69 में पत्तन में 8,778,884 टन के यातायात की धरा-उठाई की गई जो पत्तन के इतिहास में अब तक लेखाबद्ध किये गये में सबसे अधिक है जबकि 1967–68 में यह संख्या 8,131,787 टन थी। यातायात आंकड़ों का विभाजन इस प्रकार है :—

	1967–68	1968–69
	टन	टन
आयात . .	417,682	369,468
निर्यात . .	7,714,105	8,409,416

निर्यात में 8,371,838 टन खनिज पदार्थ और 37,578 टन सामान्य माल था।

(3) **पोतपरिवहन**

1968–69 में पत्तन में आने वाले पोतों की संख्या 622 थी जो 6,620,957 कुल टन भार के थे जब कि गत वर्ष यह संख्या 676 पोत तथा 6,503,737 कुल टन भार थी।

(4) **यात्री यातायात**

1968–69 में मारमोगाव पत्तन में 9,718 यात्री जहाज पर चढ़े और 10,758 यात्री जहाज से उतरे। गत वर्ष के संगत आंकड़े 9,027 (चढ़े) और 9,509 (उतरे) थे।

(5) **पूंजीगत निर्माण कार्य**

1968–69 में पूंजीगत लेखे में 57.53 रुपये का व्यय किया गया। कुछ पूंजी गत निर्माण कार्य जो किये गये और उन पर किया गया व्यय नीचे सूचित किया जाता है :

कार्य का नाम	व्यय (रुपये लाखों में)
1. 192 कर्मचारी मकानों का निर्माण . .	22.67
2. 2 छः टन और 4 तीन टन घाट बिजली क्रेनों का अर्जन . . .	17.01
3. घाट नं० 3 के पश्चिमी घाट के शेड का विस्तार .	2.84
4. वर्कशाप चारदिवारी में दो नये शेडों का निर्माण .	2.72
5. तिरले पाइपलाइन के विभागीय निर्माण. .	2.14
6. अस्पताल के लिये एक्स रे और विद्युत्-कार्डियोग्राम और फर्नीचर की खरीद . . .	1.87

(6) **कल्याण कार्य**

पत्तन न्यास द्वारा इस वर्ष जो कल्याणकारी कार्य किये गये उनमें खेल कूद तथा मनोरंजन सुविधाएं दो जलपान गृहों का चलाया जाना और एक पत्तन कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समिति कर्मचारियों के लिये और मकानों का निर्माण करना और पत्तन अस्पताल का ढांचा बदलना और विस्तार करना शामिल है।

(7) **श्रमिक वर्ग स्थिति**

वर्ष में पत्तन में श्रमिकवर्ग स्थिति संतोषजनक रही।

(8) मारमागोव पत्तन न्यास ने उपयोगी कार्य का एक और वर्ष पूरा किया और सरकार 1968–69 वर्ष में किये गये कार्य पर संतोष प्रकट करती है।

दिनांक 4 फरवरी 1970

संकल्प

सं० 17-पी० जी० (1)/70—भारत सरकार को विशाखा-पत्तनम् पत्तन की 1968–69 वर्ष की प्रशासनिक रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। रिपोर्ट में ध्यान देने योग्य बातें निम्न प्रकार है : —

1. **वित्तीय परिणाम :**

(क) **पत्तन निधि :** 1968–69 के वर्ष में पत्तन की राजस्व आवत्तियां (कनहारी लेखा को छोड़कर) 664.12 लाख रुपये थी जबकि 1967–68 की तुलना में यह राशि 575.19 लाख रुपये थी। आय में वृद्धि के मुख्य कारण आयात और निर्यात व्यापार में वृद्धि खासकर खनिज के पोत-लदान और भूमि तथा शेड के किरायों के दरों का ऊपरी पुनरीक्षण एवम् आयात और निर्यात और विविध आवतियों पर चढ़ाव और पोतपरिवहन फीस है।

आलोच्य वर्ष में 1967–68 में 374.27 लाख रुपये की तुलना में व्यय (राजस्व आरक्षित और ह्रास निधि को छोड़कर) 463.30 लाख रुपये था। वृद्धि मुख्यतः स्थापना और रख-रखाव लागत में वृद्धि के कारण है।

(ख) **कनहारी लेखा :** 1968–69 में कनहारी लेखे के अन्तर्गत कुल आय तथा व्यय क्रमशः 665 लाख रुपये और 4.12 लाख रुपये थे।

(ग) **आरक्षित निधि :** वर्ष के अन्त में विभिन्न निधियों में इतशेष के बारे में स्थिति संतोषजनक थी।

2. **यातायात :**

(क) **व्यापार :** 1968–69 वर्ष में गत वर्ष के 24.14 लाख टन की अपेक्षा पत्तन पर हुये आयात की मात्रा 26.92 लाख टन थी। आयात मुख्यतः उर्वरक और दूसरे रसायनिक, अनाज, निर्मित लोहा और इस्पात पोतनिर्माण सामग्री इत्यादि थे।

गत वर्ष के 40.93 लाख टन की अपेक्षा 1968–69 वर्ष में निर्यात 54.29 लाख टन रहा। इसमें से 33.96 लाख टन खनिज लोहा और 6.56 लाख टन कच्चा अबरक था। निर्यात तथा इस्पात और रेलवे सामग्री थी।

(ख) **पोत परिवहन :** 1968–69 में विदेश जाने वाले जहाज जो पत्तन पर आये उनकी संख्या 523 थी। और उन पर 34,42,245 का कुल टन आया। गत वर्ष के संगत आंकड़े 528

और 29,21,948 टन थे। जहां तक तटीय जहाजों का संबंध है उनमें से 98 तटीय जहाज 4,22,733 टन भार के साथ इस वर्ष पत्तन पर आये जबकि 1967–68 में 62 जहाज 2,77,329 टन के साथ आये।

एम० वि० "जगत विजेता" जिसकी लंबाई 639'–00" (ओ० ए०) है और जिसका कुल पूंजीकृत माल 18,620 टन था पत्तन में आने वाले जहाजों में से सबसे बड़ा जहाज था।

3. श्रमिक

कार्य के कुछ रुकावटों के सिवाय, 1968–69 में श्रमिक वर्ग के साथ संबंध संतोषप्रद रहे।

4. पूंजीगत कार्य

इस वर्ष बाह्य बंदरगाह परियोजना के सहित 254.53 लाख रुपये के कुल मूल्य के पूंजीगत कार्य किये गये। वह समस्त व्यय पत्तन के स्वयं के साधनों से किया गया जिसमें ह्रास आरक्षित निधि से 125 लाख रुपये का ऋण भी शामिल है। अतिरिक्त चार घाटों की योजना के संबंध मे सहायक कार्य पूरे किये गये। महेन्द्री गेड्डा ज्वार नदी के ऊपर सड़क पुल का निर्माण पूरा किया गया और नवम्बर, 1968 में यातायात के लिये खोल दिया गया। द्वीप के बनकट दीवार की विशेष मरम्मत संबंधी कार्य भी पूरा किया गया ठहराव एवं प्रेषण यार्ड के निर्माण संबंधी कार्य और नार्थ होलिडग यार्ड का विस्तार और हाथ में लिये गये अन्य बड़े कार्य भी प्रगति पर थे।

5. आभारोक्ति

1968–69 वर्ष में पत्तन न्यास द्वारा किये गये कार्य पर सरकार ने संतोष प्रकट किया।

के० नारायणन, संयुक्त सचिव।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 12th February 1970

No. 8-Pres./69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police :—

Names of the officers and ranks

Shri Surendra Kumar Madan, Company Commander, 38th Battalion, Central Reserve Police.

Shri Ram Dhari Pandey, Head Constable No. 44481, 38th Battalion, Central Reserve Police.

Shri Lakhan Lal, Lance Naik No. 45070, 38th Battalion, Central Reserve Police.

Shri Ram Nagina Yadav, Constable No. 45067, 38th Battalion, Central Reserve Police. (*Deceased*)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

The 38th Battalion of the Central Reserve Police was deployed in the Jampui Hills on the border of Tripura and Mizo Hills. On the 29th October, 1968, information was received in the Central Reserve Police Post at Chamanu that about 150 hostiles armed with bren-guns, grenade-firing, rifles, L.M.Gs., had entered from Chittagong area of East Pakistan and were moving in the vicinity of the Post. On the morning of the 30th October, 1968, the hostiles launched an attack on the Central Reserve Police Post. They started heavy fire from two different directions with 3.5" rockets, mortars, grenade-firing, rifles etc. Undaunted by the heavy firing, and the small number of men available in the post, the Central Reserve Police Post launched a counter attack on the hostiles under the command of Shri S. K. Madan. The encounter lasted for 3 hours. During the course of encounter, Shri S. K. Madan encouraged his men to face the attack boldly and crawled from bunker to bunker to see that everybody was doing his duty properly without regard for the rain of rockets and bullets. Shri Ram Dhari Pandey who was in charge of L.M.G. in No 1 bunker of the Post fired his L.M.G. vigorously and prevented the enemy from making any headway towards the Post. Even though a 3.5" rocket fell near his bunker resulting in the death of Constable Ram Nagina Yadav and collapse of the entire roof of the bunker, Shri Pandey held his L.M.G. and kept the enemy at bay. Shri Lakhan Lal was incharge of the rifle group positioned in trenches on both sides of the bunker. He encouraged the men and also went on firing from his rifle. He was injured in the ear by a splinter from a rocket but he remained undeterred and continued firing. Shri Ram Nagina Yadav was also incharge of a rifle group in a trench near the bunker. He not only fired from his rifle but also assisted in filling up the magazines of the L M G. He continued to do both the jobs inspite of heavy fire until he was seriously injured with the splinters of a 3.5" rocket, the impact of which also broke his rifle into two pieces. He later succumbed to his injuries. It was because of the gallant fight put up by the above four officers that the hostiles retreated and disappeared in the jungle.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th October, 1968, except in the case of Shri S. K. Madan who would not be entitled to the monetary allowance.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

RAJYA SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 7th Februarv 1970

No. RS.29/1/70-T.—Shri Rizaq Ram, a Member of the Rajya Sabha representing the State of Haryana, has resigned his seat in the Rajya Sabha with effect from the 3rd February, 1970.

B. N. BANERJEE, Secy.

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 2nd February 1970

ORDER

Study Group on the Coir Industry

In partial modification of the Planning Commission Order No. VSI/6(1)/69, dated the 22nd July, 1969, the Planning Commission have decided, in view of the volume of work involved and the progress made so far, to extend by six months the period for submission of the report by the Study Group on the Coir Industry.

2. The Planning Commission has also decided to appoint Col. V. V. Dev, Chairman, Coir Board as Member-Secretary of the Study Group on the Coir Industry *vice* Shri A. G. V. Subrahmaniam, Under Secretary, Ministry of Foreign Trade & Supply.

ORDER

ORDERED that a copy of this order be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

B. D. PANDE, Secy., Planning Commission

MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY

Department of Foreign Trade

New Delhi, the 4th July 1969

RESOLUTIONS

No. 29/2/69-Tex-A.—The Government of India have decided to reconstitute the Cotton Textiles Consultative Board set up under the erstwhile Ministry of Commerce Resolution No. 9(3)Tex(B)/65, dated the 21st March, 1966, published in the Gazette of India, Part I, Section 1, on March 21, 1966,

and as amended from time to time. The members of the reconstituted Board are as follows :—

Chairman

1. Minister of Foreign Trade and Supply

Members

2. Secretary, Ministry of Foreign Trade and Supply.
3. Shri Madan Mohan Mangaldas, Mangalbang, Ellis Bridge, Ahmedabad.
4. Shri K. M. D. Thackersey, Sir Vithaldas Chambers, 16 Appollo Street, Fort, Bombay-1.
5. Shri Kasturbhai Lalbhai, C/o, The Arvind Mills Ltd., Railwaypura Post, Naroda Road, Ahmedabad-2.
6. Shri K. Sundram, Member of Parliament, Coimbatore Pioneer Mills Ltd, Peelamedu, Coimbatore-4.
7. Shri S. N Hada, Kesoram Industries & Cotton Mills Ltd, Calcutta.
8. Shri P K. Birla, Member of Parliament, 49, Ring Road, Lajpatnagar—IV-14, New Delhi.
9. Shri Kailash Aggarwal, Director, The Hukamchand Mills Ltd., Indore.
10. The Chairman, Cotton Textiles Export Promotion Council, Engineering Centre, Queen's Road, Bombay-4.
11. The President, East India Cotton Association Ltd., Cotton Exchange Building, Marwari Bazar, Kalbadevi, Bombay-1.
12. Shri Dasratha Rama Reddy, Member of Parliament, Advocate, Wahad Street, Nellore, Andhra Pradesh.
13. Shri S. R. Vasavada, Member of Parliament, Chairman, National Textile Corporation Ltd, New Delhi.
14. Shri Dayaljibhai G. Patel, Village Delod, P.O. Sayan, Surat.
15. Chairman, Indian Cotton Mills Federation, Bombay.
16. Additional Secretary, Ministry of Foreign Trade and Supply, New Delhi.
17. Textile Commissioner, Bombay.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, All Union Territories, all Ministries of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, the Private and Military Secretaries to the President, the Planning Commission, Cabinet Secretariat, the Comptroller and Auditor General of India, Central Board of Direct Taxes, Central Board of Excise and Custom, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats, Library of Parliament and the Textile Commissioner, Bombay.

H. K. BANSAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

(I.C.A.R.)

New Delhi, the 6th February 1970

No. 29-1/69-*CDN*(*I*)/*ICAR*.—Under the provisions of Rule 75 of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, the Minister of Food & Agriculture has been pleased to nominate the following to be members of the Standing Committee for Agricultural Education of the Society for the period 27th January, 1970 to 7th July, 1972 :

1. Shri O. Pulla Reddi, Vice Chancellor, Andhra Pradesh Agricultural University, Hyderabad.
2. Shri Satwant Singh, Nasirpur Farm, Patiala, Punjab.
3. Shri Raghotam Reddy, Member, Board of Management, Andhra Pradesh Agricultural University, Hyderabad.
4. Shri Jai Narayan Mehta, Advocate, Purnea, Bihar.

M. R. KOLHATKAR, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 30th January 1970

No. F. 11/1/67-*CAI*(1).—In continuation of this Ministry's Notification No F 11/1/67-CAI(1), dated the 25th September, 1969, Shri Monohar Singh Gill, Joint Secretary in the Government of Punjab, is appointed as a member of the Central Advisory Board of Archaeology, as a nominee of the Government of Punjab in a place of Shri R. N. Gupta.

KANWAR LAL, Under Secy.

New Delhi, the 7th February 1970

*No. F.*12-1/69-*CAI*(3).—In continuation of this Ministry's notification No. 12-1/69-CAI(3), dated the 26th August, 1969 the following persons have been nominated as members of the Central Advisory Board of Museums upto 30th May 1972 :—

Under sub-para (vi) of clause 2 *of the Resolution No.* 12/1/69/*CAI* (3), *dated the* 31-5-69 (*Nominee of the Lalit Kala Akademi*) :

(i) Shri N. N. Mahapatra, Minister of Supply & Culture, Government of Orissa, Bhubaneswar.

Under sub-para (xiii) of clause 6 *of the Resolution No.* 12/1/69-*CAI* (3), *dated* 31-5-69 (*representatives of the State Government*) :

(1) *Jammu and Kashmir*

(i) Shri P. N. Pushap, Director Libraries, Research & Museums, Jammu and Kashmir, Jammu/Srinagar.

2. *Madhya Pradesh*

(i) Shri L. O. Joshi, Education Secretary & *Ex-officio* Director of Archaeology, Museum, Government of M.P., Bhopal.

P. SOMASEKHARAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

(Department of Tourism)

RESOLUTION

New Delhi, the 2nd February 1970

No. 5-THL(1)/69.—In order to provide the Hotel Industry in the country with a specialised source of financial assistance, a Scheme for the grant of loans was sanctioned in Resolution bearing under No. 5-THL(35)/67, dated 19th April 1968 and published in the Gazette of India No. 18, dated 4th May 1968. Para VII of the Instructions for the grant of loan under the Hotel Development Loan Scheme as substituted by Amendment 1 [*vide* this Ministry's Notification No. 5-THL(31)/68, dated 24th March 1969 and published in Gazette of India dated 24th May 1969 in Part I, Section 1] stands amended as follows :—

"RATE OF INTEREST AND ITS PAYMENTS.

The rate of interest on the loans sanction under these instructions will be based on the rate charged by the Government from industrial undertakings from time to time. At present this rate of interest including the rebate works out to 9 to 9½% per annum depending on the duration of the loan. A rebate of 2½% will be allowed on punctual payments of instalments of the loan amount and interest. In case the applicant company makes any default, it shall be liable to pay interest at the rate at which the loan has been advanced both in respect of instalments of amount of the loan and of the interest due and outstanding and no rebate of 2½% will be allowed When all the arrears are paid rebate on future punctual payments will be restored.

Interest on the loan will be payable on a half yearly basis until the loan is repaid in full."

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

N. SAHGAL, Secy.

MINISTRY OF TRANSPORT AND SHIPPING

Transport Wing

New Delhi, the 3rd February 1970

No. 7-PG(27)/69.—The Government of India have received the Administration Report of the port of Mormugao for the year 1968-69. The noteworthy features of the Report are reviewed below :—

(1) *Financial position* :

The total revenue of the port of Mormugao during the year 1968-69 was Rs. 221.54 lakhs (including the receipts from Pilotage) as against Rs. 225.37 lakhs during 1967-68. The decrease in income was mainly due to decreased earnings from demurrage on imports, Port dues, cranage dredger and Railway earnings which were partially offset by increases in earnings from wharf Dues, Lease & shed rent and interest.

The expenditure during the year under review was Rs. 147.45 lakhs as compared to Rs. 135.99 lakhs during 1967-68. The increase in expenditure was mainly due to increase in the cost of repairs, maintenance and operating expenses of the Port and increase in depreciation on the assets.

(2) *Traffic* :

The traffic handled at the Port during the year 1968-69 totalled 8,778,884 tonnes, which is the highest so far recorded in the history of the Port, as against 8,131,787 tonnes during 1967-68. The break-up of traffic figures is as under :—

	1967-68	1968-69
	Tonnes	Tonnes
Imports	417,682	369,468
Exports	7,714,105	8,409,416

The exports consisted of 8,371,838 of tonnes of ores and 37,578 tonnes of general cargo.

(3) *Shipping*:

The number of vessels which entered the port during 1968-69 was 622 with a gross tonnage of 6,620,957 as against 676 vessels with a gross tonnage of 6,503,737 during the previous year.

(4) *Passenger Traffic*:

During 1968-69, 9,717 passengers embarked and 10,758 passengers disembarked at the port of Mormugao. The corresponding figures for the previous year were 9,027 (embarked) and 9,509 (disembarked).

(5) *Capital Works*:

During 1968-69, an expenditure of Rs. 57·53 lakhs was incurred on Capital Account. Some of the capital works undertaken and the expenditure incurred thereon are indicated below:—

Name of work	Expenditure (in lakhs of Rupees)
1. Construction of 192 staff quarters	22·67
2. Acquisition of 2 six-ton and 4 three-ton wharf electric cranes.	17·01
3. Extension of a shed on the Western portion of berth No. 3	2·84
4. Construction of two new sheds in the Workshop compound.	2·72
5 Departmental manufacture of a floating pipeline.	2·14
6. Purchase of X-ray and electro-cardiogram and furniture for hospital.	1·87

(6) *Welfare*:

The welfare measures undertaken by the Port Trust during theyear included recreational and entertainment facilities, running of two canteens and a Port Employees Consumers' Cooperative Society, contstruction of more quarters for the staff and compeltion of the work relating to the extension and remodelling of the Port Hospital.

(7) *Labour Situation*:

The labour situation in the Port remained generally satisfactory during the year.

(8) The Mormugao Port Trust completed another year of useful work and Government view with satisfaction the work done during the year 1968-69.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general Information.

The 4th February 1970

No. 17-PG(1)/70.—The Government of India have received the Administration Report of the Visakhapatnam Port for the year 1968-69. The following are the noteworthy features of the Report :

1. *Financial Results* :

(a) *Port Fund* : The revenue receipts of the port (excluding the Pilotage Account) during the year 1968-69, were Rs. 664.12 lakhs as compared with Rs. 575.19 lakhs during the year 1967-68. The increase in income was mainly due to the increase in the import and export trade, particularly shipment of ores and upward revision of rates of ground and shed rents as well as landing and shipping fees on imports and exports and Miscellaneous receipts.

The expenditure (excluding contribution to Revenue Reserve and Depreciation Funds) during the year under review was Rs. 463.30 lakhs as against Rs. 374.27 lakhs in 1967-68. The increase was mainly due to higher expenditure on establishment and increase in maintenance costs.

(b) *Pilotage Account* : The gross income and expenditure under the Pilotage Account during 1968-69 were Rs. 6.65 lakhs and Rs. 4.12 lakhs, respectively.

(c) *Reserve Funds* : The position with regard to the balances in the various funds at the end of the year was satisfactory.

2. *Traffic*

(a) *Trade* : The volume of imports which passed through the Port during the year 1968-69 was 26.92 lakh tonnes as against 24.14 lakhs tonnes in the previous year. Imports consisted mainly of Fertilizers and other chemicals Foodgrains, manufactured Iron and Steel, Ship-building material etc.

The exports during the year 1968-69 amounted to 54.29 lakh tonnes as against 40.93 lakh tonnes in the previous year. Out of this, iron ore accounted for 33.96 lakh tonnes and Manganese ore 6.56 lakh tonnes. The other main items of export were Pig Iron, manufactured Iron and Steel and Railway materials.

(b) *Shipping* : The number of foreign-going vessels, which entered the port during 1968-69 was 532 with a total tonnage of 35,42,245. The corresponding figures for the previous year were 528 and 29,21,948. As regards coastal vessels, 94 of them with a total tonnage of 4,22,733 visited the port during the year as against 62 with a total tonnage of 2,77,329 during 1967-68.

The M. V. "JAGAT VIJETA" of length 639'-00"(O.A with a gross registered tonnage of 23,452 and S.S. "EASTERN CITY" of length 639'-00"(O.A) with a gross registered tonnage of 18,620 were the largest vessels to enter the port during the year.

3. *Labour* :

Except for a few stoppages of work, relations with labour continued to be satisfactory during the year 1968-69.

4. *Capital Works* :

Capital Works of an aggregate value of Rs. 254.53 lakhs were carried out during the year including Outer Harbour Project. All this expenditure was incurred from the Port's own resources including a loan of Rs. 125 lakhs from the Depreciation Reserve Fund. The ancillary works in connection with the Additional Four Berths Scheme were completed. Construction of Road Bridge across the tidal river Meghadrigedda was completed and opened for traffic in November, 1968. The work relating to the special repairs to the island Breakwater was also completed. Work relating to construction of Reception-*cum*-Despatch Yard and extension of North Holding Yard and other Major works in hand were also in progress.

5. *Acknowledgement*

Government note with satisfaction the work done by the Port Trust during the year 1968-69.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. NARAYANAN, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1970